माउंट आबू, 3 जून। मध्यप्रदेश अनुसूचितजाति, जनजाति, वित विकास निगम उपाध्यक्ष रोडमल राठौड़ ने कहा कि समाज में मूल्यों का प्रकाश फैलाने को स्वयं की कमजोर व नकारात्मक वृतियों पर विराम लगाने की जरूरत है। वे ब्रह्माकुमारी संस्थान के ज्ञान सरोवर परिसर में बुधवार को समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में समाज सेवा से परमात्म वरदानों की प्राप्ति विषय पर आयोजित अखिल भारतीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भौतिक प्रसार के साथ अध्यात्मिकता व नैतिकता को जीवन में स्थान देने से ही समाज को नई दिशा प्रदान की जा सकती है। हिंसा व द्वेष से मुक्त सुखमय समाज का स्वरूप आध्यात्मिकता से ही निर्मित होगा। श्रेष्ठ समाज की परिकल्पना को परिवारों में भय,असुरक्षा का भाव समाप्त करना होगा।

ग्राम विकास सेवा प्रभाग अध्यक्षा बी के मोहिनी बहन ने कहा कि निःस्वार्थ भाव से कर्म करने वाला समाज सेवी ही समाजसेवा के शुभ संकल्प को फलीभूत करने में अहम भूमिका अदा कर सकता है। परिवारों में बिखराव, आपसी वैमनस्यता का होता फैलाव, अन्याय व भ्रष्टाचार को समाप्त करने को समाज के हितचिंतकों को एकजुट होना होगा।

चंडीगढ़ से आए लायंस पूर्व प्रांतपाल आर. के. राणा ने कहा कि सामाजिक सद्भाव की स्थापना के लिए मैं और मेरेपन की प्रवृति को समाप्त करने की जरूरत है। सर्मपण भाव से की गई सेवा ही समाज को नया स्वरूप दे सकेगी।

प्रभाग अध्यक्षा राजयोगिनी संतोष बहन ने कहा कि समाजसेवी का सेवाभाव संकीर्णता के दायरे से मुक्त होना चाहिए। जिसके लिए आत्मिक सशक्तिकरण करना जरूरी है।

प्रभाग उपाध्यक्ष बीके अमीरचंद ने कहा कि व्यर्थ चिंतन में समय गंवाने, व्यर्थ में धन गंवाने, व्यर्थ संग में रहने से आत्मिक शक्तियों का ह्रास होता है जिससे दूसरों के प्रति कल्याणकारी भावनाओं को मूर्तरूप नहीं दिया जा सकता।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेमभाई, मुख्यालय संयोजक बी के अवतार, महाराष्ट्र क्षेत्रीय संयोजक ब्रह्माकुमारी वंदना बहन ने भी विचार व्यक्त किए।

सांयकाल आयोजित सांस्कृतिक संध्या में चंडीगढ़ से आए नन्हें मुन्हें कलाकारों ने अध्यात्मिकता से परिपूर्ण धार्मिक गीतों व नृत्य के जरिए उपस्थित सहभागियों का मन शिव परमपिता परमात्मा से जोड़े रखा।